इकाई - 2 Date - 01.06.2020

Topic - सीखने का आकलन : कैसे करेंगे ।

Ans → शिक्षक बच्चों के सीखने का आकलन निम्न प्रकार से करते हैं -

(1) निर्माणात्मक आकलन → इसे सीखने का आकलन भी कहते हैं। इस प्रकार के आकलन का मुख्य प्रयोजन छात्रों को वह रचनात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त करने में सक्षम बनाना है जो उन्हें बेहतर सीखने और प्रगति प्रगति करने में उनकी मदद करेगी ।

(2) योगात्मक आकलन → योगात्मक आकलन को 'सीखने के आकलन' के नाम से भी जाना जाता है। इस प्रकार के आकलन का प्रयोजन शिक्षक को छात्रों की उपलब्धि और कार्य प्रदर्शन को पहचान करने में सक्षम करना है, जिसमें सीखने की अवधि एक सत्र या वर्ष हो सकती है।

(3.) दैनिक आकलन → बच्चों के कक्षा-कक्ष संबंध गतिविधियों का प्रतिदिन आकलन विद्यालय के भीतर एवं बाहर की परिस्थितियों में सतत् रूप से किया जाना ।

(4.) व्यक्तिगत आकलन → इसमें किसी विशेष बच्चे की गतिविधियों, सीखने के तरीकों तथा उपलब्धि का वर्णन किया जाता है।

(5.) समूह आकलन → इसमें किसी विशेष समूह के बच्चों की गतिविधियों, सीखने के तरीकों तथा उपलब्धि का विशेषकर समूह कार्य में भागीदारी, नेतृत्व क्षमता का आकलन किया जाता है।

(6) सहपाठियों द्वारा आकलन → इसमें कोई बच्चा दूसरे बच्चे या बच्चों के एक समूह की गतिविधियों, सीखने के तरीकों का आकलन करता है।

* शिक्षक निम्नलिखित तरीकों से इन सबका संरचनात्मक आकलन करते हैं -

⇒ शिक्षकों/सहपाठियों द्वारा पूछे प्रश्नों पर छात्रों द्वारा अपने उत्तरों (मौखिक अथवा लिखित) पर प्रश्न उठाना ।

⇒ छात्रों का लिखित कार्य, कार्य पुस्तिकायें, पोर्टफोलियो (छात्र विशेष द्वारा बनाई गई चीजों का संग्रह), और उनका संवाद कौशल।

⇒ छात्रों द्वारा बनाए गए चार्ट, ग्राफ, मॉडल इत्यादि ।

⇒ समूह में कार्य करते बच्चों का शिक्षक द्वारा अवलोकन (सहयोगी और सहयोग का अवलोकन)

⇒ वैयक्तिक रूप से कार्य करते बच्चे का अवलोकन (रुचि और एकाग्रता का अवलोकन)

⇒ शिक्षक द्वारा परियोजनाओं पर कार्य करते बच्चों का अवलोकन (भागीदारी का अवलोकन)

⇒ छात्रों द्वारा अनुभवों, अवलोकनों, प्रश्नों, अनुमान, धारणाओं व तर्कों का साझा करना।

⇒ छात्रों द्वारा गतिविधि निर्माण अथवा शिक्षक को दी गई गतिविधि का विकल्प सोचना।

⇒ क्या किसी छात्र में आत्म-विश्वास है कि नहीं (भागीदारी के लिए सामने नहीं आना)

END

Scanned with CamScanner